१० बदलता जीवन : भाग २

इस पाठ में हम भाषा, खेल, नाटक, सिनेमा, समाचारपत्र और दूरदर्शन क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

भाषा : भारत में हिंदी, असमिया, बांग्ला, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, मल्यालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू, कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली और सिंधी ये भाषाएँ महत्त्वपूर्ण हैं। ये भारतीय भाषाओं की बोली भाषाएँ भी हैं। उनकी संख्या अब कम हो रही है। समय रहते उनका संवर्धन किया जाना चाहिए अन्यथा यह अनमोल थाती नष्ट हो जाएगी। यद्यपि ऐसा है; फिर भी हिंदी सिनेमा के माध्यम से सर्वत्र पहुँची हिंदी भाषा ने भाषाई दृष्टि से देश को जोड़ने का काम किया है।

क्या आप जानते हैं?

वर्ष १९६१ का नागालैंड का भाषाई विवरण निम्न प्रकार से है।

भाषा और जनसंख्या का अनुपात

अंगामी-३३७६६	सेमा-४७४३९
लोथा-२६५६५	अेओ-५५९०४
रेंगमा-५७८६	चारवेसंग-३३९
खेजा-७२९५	संगतम पोचुरी-२७३६
संगतम-१५५०८	कौनियाक-४६६५३
चांग-११३२९	फोम-१३३८५
यीमचुंग्रे-१०१८७	खीमनुंगम-१२४३४
जेलियंग सेमी-६४७२	लियांगमे-२९६९
कुकी चीरू-११७५	मकवरे-७६९
तिखिर-२४६८	

इस विविधता का परिणाम कोहिमा आकाशवाणी केंद्र पर हुआ। इस केंद्र को २५ भाषाओं से प्रसारण करना पड़ता था। इनमें अंग्रेजी, हिंदी, नागा बोली और अन्य १६ नागा भाषाओं का समावेश है।

वर्ष १९९० के पश्चात प्रारंभ हुए वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण भारत में 'अंग्रेजी' भाषा का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा है। अंग्रेजी रोजी-रोटी की भाषा बनती जा रही है। नौकरी के अनेक अवसर अंग्रेजी भाषा के कारण उपलब्ध होने लगे हैं।

खोजें भला ।

महाराष्ट्र की बोली भाषाओं की जानकारी विविध साधनों के आधार पर (कोश, गूगल, विकीपीडिया, अनुसंधान कर्ताओं के लेख) खोजें।

अंग्रेजी सीखने में भारतीय लोग आगे हैं। परंतु इस प्रक्रिया के कारण प्रादेशिक भाषाओं का अस्तित्व खतरे में न पड़े, इसकी सावधानी रखनी होगी।

खेल : स्वातंत्र्यपूर्व काल में खेलकूद के क्षेत्र में गिने-चुने खेलों के ही नाम लिए जाते थे। कुछ खिलाड़ियों ने इसमें परिवर्तन करने का काम किया। इस कारण खेल और खिलाड़ी दोनों भी बड़े हो गए। इसमें महत्त्वपूर्ण नाम गीत सेठी का है। बिलियर्ड्स खेल में स्नूकर नाम के खेल प्रकार में गीत सेठी ने विश्व प्रविणता प्राप्त की। उसने अपनी आयु के १५ वें वर्ष में बिलियर्ड् की कुमार राष्ट्रीय प्रतियोगिता जीत ली। इसके बाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उन्होंने अजेय पद प्राप्त किए। उन्होंने वैश्विक व्यावसायिक प्रतियोगिता में पाँच बार, वैश्विक शौकिया बिलियर्ड् प्रतियोगिता में तीन बार विजेता पद प्राप्त किया। उन्होंने इस खेल को लोकप्रियता दिलवाई। समाचारपत्रों में इस खेल की खबरें छपकर आने में फरेरा और सेठी का यह खेलप्रताप कारण है। भारत के उदयोन्मुख खिलाड़ियों को उन्होंने नया क्षेत्र उपलब्ध करवा दिया।

वर्ष १९८३ में कपिल देव के नेतृत्व में भारत ने क्रिकेट विश्व कप प्रतियोगिता में ऐतिहासिक विजय हासिल की और इस खेल ने देशभर में बड़ी लोकप्रियता प्राप्त की। इसी साल सुनील गावसकर ने टेस्ट मैचों में सर्वाधिक शतकों

का कीर्तिमान बनाया। वर्ष १९८५ में भारत ने 'बेन्सन एंड हेजेस' क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता पद प्राप्त किया। परिणामस्वरूप भारत के सभी राज्यों में न्यूनाधिक मात्रा में क्रिकेट खेल खेला जाने लगा। देशी खेल पिछड़ गए। क्रिकेट को प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ। क्रिकेट को केंद्र में रखकर कुछ सिनेमाओं का निर्माण भी किया गया। दूरदर्शन पर पूर्ण पाँच दिवसीय और एक दिवसीय खेलों का प्रसारण आरंभ हुआ।

सुनील गावस्कर

एशियाड और ओलिंपिक प्रतियोगिताओं में भारत सहभागी था। वर्ष २००० के ओलिंपिक में करनाम मल्लेश्वरी ने भारोत्तलन(वेट लिफ्टिंग) पदक प्राप्त किया। ओलिंपिक में पदक पाने वाली वह पहली भारतीय महिला है। हॉकी, तैराकी, तीरंदाजी, भारोत्तलन, टेनिस, बैडमिंटन जैसी प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व बढ़ने लगा।

करनाम मल्लेश्वरी

नाटक और सिनेमा : नाटक और सिनेमा भारतीयों के जीवन के महत्त्वपूर्ण घटक हैं। पहले नाटक खूब समय तक, कभी-कभी तो रातभर चलते थे। वर्तमान काल में नाटक का स्वरूप, तकनीक, समय बदल गया है। अलग-अलग क्षेत्र के लोग नाटक में सम्मिलित होने लगे हैं। संगीत रंगभूमि का महत्त्व पहले की तुलना में कम हो चला है। पौराणिक तथा ऐतिहासिक विषयों के बदले राजनैतिक और सामाजिक विषयों को प्रधानता मिलने लगी है।

सिनेमा के क्षेत्र में कृष्ण-धवल सिनेमा के बाद रंगीन सिनेमा का युग आया। मनोरंजन के क्षेत्र में हिंदी सिनेमा का स्थान अतुलनीय है। समकालीन परिस्थिति का चित्रण सिनेमा में उभरने लगा। सिनेमा के चित्रण स्थल देश के बाहर जाने लगे। देश-विदेश के विविधतापूर्ण स्थान लोगों को दीखने लगे। विदेशी भाषा की फिल्में अनुवादित होने लगीं। अंग्रेजी सिनेमा के प्रदर्शन के समय परदे पर हिंदी अनुवाद दीखने लगे हैं। हिंदी फिल्में वैश्विक फिल्मों से प्रतियोगिता करने लगीं। हिंदी सिनेमा संसार भर में पहुँच गया। राजनीति, समाजनीति, उद्योग, प्रौद्योगिकी के प्रतिबिंब सिनेमा में उभरने लगे। ३-४ घंटे चलने वाला सिनेमा डेढ़ घंटे पर आ गया। एक परदा और एक थिएटर की अवधारणा बदल गई। अब बहुपरदा और फिल्म संकुल मल्टीप्लेक्स थिएटर अस्तित्व में आ गए। इस कारण एक ही फिल्म १०० सप्ताह तक चलने का चलन समाप्त होकर अब एक ही फिल्म एक ही समय में देश-विदेश में हजारों थिएटरों में दीखने लगी। इस कारण सिनेमा का आर्थिक स्वरूप बदल गया। सिनेमा निर्माण को उद्योग का दर्जा प्राप्त हो गया। यह उद्योग करोड़ों लोगों को समाहित करने लगा। प्रादेशिक भाषा के सिनेमा उद्योगों पर बहार छा गई।

समाचारपत्र : बदलती जीवन शैली का प्रभाव समाचारपत्रों और प्रसार माध्यमों पर पड़ा। इन माध्यमों का प्रभाव व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन पर भी पड़ा। स्वातंत्र्योत्तर समय में रोजमर्रा की गतिविधियों की ताजा खबरें देना, विज्ञापन प्रकाशित करवाकर उद्योग व्यवसाय को बढ़ावा देना, जनमत तैयार करना, रचनात्मक कामों के लिए जनमत प्रभावित कर नेतृत्व करना, प्रबोधन करना, सरकारी व्यवस्था पर अंकुश रखना जैसे विविध उद्देश्यों के लिए समाचारपत्र कृष्ण-धवल रंगों में ही प्रकाशित होते थे।

आगे समय बदला और समाचारपत्र रंगीन हुए। पहले तहसील अथवा जिले के मुखपत्र के रूप में पहचाने जाने वाले समाचारपत्रों को बड़ी मात्रा में राज्यस्तरीय शृंखला स्वरूप के पत्रों का सामना करना पड़ रहा है। समाचारपत्र अब ज्यादा ही सक्रिय होने लगे हैं। अकाल पीड़ितों के

लिए कोष इकट्ठा करना, बाढ़ पीड़ितों के लिए धन एकत्रित करना, आर्थिक दृष्टि से दुर्बल वर्ग के बुद्धिमान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए सहायता करना, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना तथा प्रायोजित करना जैसे विविध माध्यमों से समाचारपत्र हमारे जीवन का अविभाज्य अंग हो गए हैं।

दूरदर्शन : भारत में स्वातंत्र्योत्तर समय में दूरदर्शन का आगमन हुआ। आरंभ में कृष्ण-धवल दिखाई देने वाला दूरदर्शन कालांतर में रंगीन हो गया। आरंभ में गिने-चुने कार्यक्रम और निर्धारित समय में ही मनोरंजन करना दूरदर्शन का स्वरूप था। आगे चलकर शैक्षिक उपक्रम, समाचार, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के दौरों के विस्तृत समाचार, खबरें; इस प्रकार एक-एक उपक्रम बढ़ता गया। रामायण और महाभारत धारावाहिकों के समय बहुसंख्य लोग दूरदर्शन के सामने बैठे रहते थे। इस माध्यम की लोकप्रियता का संकेत इन धारावाहिकों ने दिखा दिया। वर्ष १९९१ के इराक युद्ध का सजीव प्रसारण सीएनएन चैनल ने संसार भर में किया। इस चरण पर भारत के न्यूज चैनलों का विश्व ही बदल गया। वर्ष १९९८ में स्टार (सेटेलाइट टेलीविजन एशिया रीजन) निजी उद्योग समूह भारत में आया। इससे आरंभिक काल में प्रचलित भारत का नीरस, एकतरफा, प्रचारक स्वरूप के समाचारों का विश्व ही बदल गया।

भाषा, प्रस्तुतीकरण की तकनीक से सुसज्जित स्टूडियो और ओबी (आउटडोर ब्रॉडकास्टिंग) वैनों का उपयोग किए जाने से इन चैनलों ने इस क्षेत्र को विस्तार दिया। फलस्वरूप समाचार प्रस्तुति में खुलापन और विविधता आई। देश का कोना-कोना जोड़ा गया। इसका परिणाम राजनीति पर भी हुआ। पूरा देश बदलने लगा।

अब तक हमने आधुनिक भारत के इतिहास का अध्ययन किया। अगले वर्ष 'इतिहास' विषय का व्यावहारिक विश्व में उपयोजन कैसे करना है; इसका हम अध्ययन करेंगे। इतिहास दैनिक जीवन का भाग कैसे हो सकता है; यह हम देखेंगे।

स्वाध्याय

१. दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर कथन पूर्ण कीजिए।

(१) भारत ने ..... के नेतृत्व में विश्वकप क्रिकेट प्रतियोगिता जीती।
(अ) सुनील गावसकर (ब) कपिल देव
(क) सईद किरमानी (ड) संदीप पाटिल

(२) वैश्वीकरण प्रक्रिया के कारण .....भाषा का महत्त्व बढ़ रहा है।
(अ) पंजाबी (ब) फ्रेंच
(क) अंग्रेजी (ड) हिंदी

२. दी गई सूचना के अनुसार कृति कीजिए।

निम्न तालिका पूर्ण कीजिए।

१.	भारत की महत्त्वपूर्ण भाषाएँ	....
२.	ओलिंपिक प्रतियोगिता में पदक प्राप्त खिलाड़ी	....
३.	आपका देखा हुआ बाल सिनेमा	....
४.	विविध समाचारों का प्रसारण करने वाले न्यूज चैनलों के नाम	....

३. निम्नलिखित कथन कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(१) भारत में सर्वत्र न्यूनाधिक मात्रा में क्रिकेट खेला जाने लगा।

(२) सिनेमा का आर्थिक स्वरूप बदल रहा है।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार में लिखिए।

(१) भारतीय भाषाओं की 'बोली भाषाओं' का संवर्धन करना क्यों आवश्यक है?

(२) समाचारपत्रों के बदलते स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

(३) दूरदर्शन माध्यम में कौन-से परिवर्तन हुए हैं?

उपक्रम

(१) अंतरजाल की सहायता से दादासाहब फालके के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए। दादासाहब फालके पुरस्कार से सम्मानित व्यक्तियों की सूची तैयार कीजिए।

(२) लोकतंत्र का चौथा स्तंभ 'समाचारपत्र' इस विषय पर विद्यालय में निबंध प्रतियोगिता आयोजित कीजिए।

7HLAR9